प्रदर्शन

खेतों में खुदाई और घरों में आ रहीं दरारें, अपर बुढ़नेर सिंचाई परियोजना में जल संसाधन विभाग पर भ्रष्टाचार के आरोप

अवैध ब्लास्टिंग के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

मवई/मंडला, नवभारत। विकासखंड मवई के अंतर्गत निर्माणाधीन अपर बुढ़नेर सिंचाई परियोजना विवादों के घेरे में आ गई है। परियोजना स्थल पर हो रही भारी ब्लास्टिंग और विभाग की कार्यप्रणाली के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसानों और ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि जल संसाधन विभाग की लापरवाही और ठेकेदार की मनमानी के कारण समूचे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि दिन-रात की जा रही भारी ब्लास्टिंग से आसपास के मकानों में दरारें पड़ रही हैं। आक्रोश तब और बढ़ गया जब प्रदर्शन के दौरान मौके पर विभाग का कोई भी अधिकारी या ठेकेदार का प्रतिनिधि मौजूद नहीं मिला। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभागीय अमले की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर ठेकेदार द्वारा घटिया निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

पारदर्शिता के अभाव में डूब क्षेत्र का डर

परियोजना को लेकर सबसे बड़ा विरोध सूचनाओं के अभाव में है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना ग्राम सभा की सहमति और भूमि अधिग्रहण की स्पष्ट जानकारी के काम शुरू कर दिया गया है। पाइपलाइन के लिए खेतों में खुदाई तो कर दी गई है, लेकिन सीमांकन न होने से किसान खेती और मकान निर्माण नहीं कर पा रहे हैं। देवदादर क्षेत्र के पास प्रस्तावित इस प्रोजेक्ट में कौन से गांव डूब में आएंगे, इसकी जानकारी अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

ग्रामीणों ने की प्रशासन से की ये प्रमुख मांगें

आंदोलनकारियों और क्षेत्र के किसानों ने शासन-प्रशासन के समक्ष कुछ मांगें रखी हैं। जिसमें अवैध ब्लास्टिंग पर तत्काल रोक लगाई जाए। प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा शीघ्र दिया जाए। दोषी निर्माण एजेंसी और अधिकारियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हो। प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाए। ग्रामीणों ने दोटूक शब्दों में कहा है कि यदि प्रशासन ने समय रहते निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं की, तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा। इसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और जल संसाधन विभाग की होगी।

दशकों से अधूरी परियोजनाओं का उठा मुद्दा

धरना-प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने विभाग के पुराने रिकॉर्ड पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सोड़ा, रमतीला और खमरिया जैसे जलाशय वर्ष 1983 से उपेक्षा का शिकार हैं। करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी नहरें अधूरी हैं और किसानों को पानी नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों को डर है कि अपर बुढ़नेर परियोजना का हश्र भी पुरानी योजनाओं जैसा ही न हो जाए।

मझगांव में घर पर गिरा विशाल आम का पेड़

मौसम का यू-टर्न, तेज आंधी के साथ बारिश और ओलावृष्टि, पेड़ गिरने से मकान क्षतिग्रस्त

निवास, नवभारत। जिले की निवास तहसील में विगत शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट बदल ली। भीषण गर्मी और उमस से तप रहे क्षेत्रवासियों को तेज गर्जना और आंधी के साथ हुई बारिश ने राहत तो दी, लेकिन तेज तूफान कुछ इलाकों में तबाही भी लेकर आया। तहसील के कई हिस्सों में झमाझम बारिश के साथ छोटे आकार के ओले भी गिरे, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई।

आंधी-तूफान का सबसे ज्यादा कहर ग्राम पंचायत मझगांव के स्कूल टोला में देखने को मिला। यहाँ रहने वाले योगेश पुरी के मकान के पास स्थित एक विशाल आम का पेड़ अचानक घर पर गिर गया। घटना के समय घर में बच्चे और रिश्तेदार मौजूद थे। गनीमत रही कि तेज गर्जना और तूफान को भांपते हुए परिवार के सदस्य समय रहते पक्के मकान के सुरक्षित हिस्से में चले गए, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई। हालांकि पेड़ गिरने से घर का रसोई कक्ष, गौशाला और वॉशरूम पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

मधुमक्खियों ने बढ़ाई मुसीबत

हादसे के बाद एक और बड़ी समस्या तब खड़ी हो गई जब घर की छत पर लगा मधुमक्खी का छाता भी पेड़ के साथ नीचे आ गिरा। इससे बचाव कार्य में जुटे परिजनों और ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही निवास थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

प्रशासनिक कार्रवाई शुरू

मौसम के इस बदले मिजाज और प्राकृतिक आपदा के बाद राजस्व विभाग की टीम ने भी सक्रियता दिखाई है। विभाग द्वारा नुकसान का आकलन करने के लिए आगे की वैधानिक कार्रवाई और सर्वे शुरू कर दिया गया है, ताकि प्रभावित परिवार को उचित मुआवजा मिल सके। क्षेत्र के अन्य गांवों से भी तेज हवाओं के कारण बिजली के खंभे और पेड़ों के गिरने की सूचनाएं मिल रही हैं, जिससे कई इलाकों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही।

घुघर नाले में मिला नवजात का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

सलवाह चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शुरू की जांच, अज्ञात के विरुद्ध मर्ग कायम

घुघरी/मंडला। घुघरी थाना अंतर्गत सलवाह चौकी क्षेत्र के ग्राम बम्हनी में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब ग्रामीणों ने मोहारी घुघर नाले के पानी में एक अज्ञात नवजात शिशु का शव तैरता हुआ देखा। इस हृदय विदारक घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए।

जानकारी अनुसार रविवार सुबह ग्रामीणों ने नाले में शिशु का शव देखकर तत्काल इसकी सूचना गांव के कोटवार को दी। कोटवार के माध्यम से जानकारी मिलते ही सलवाह चौकी प्रभारी निलेश पटेल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मौजूदगी में मौका मुआयना किया और प्रारंभिक पूछताछ के बाद शव को अपनी अभिरक्षा में लिया।

पोस्टमार्टम के बाद किया गया दफन, जांच जारी

पुलिस ने वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए शव का पंचनामा तैयार किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस प्रशासन के अनुसार, पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद नियमानुसार शव को दफन कर दिया गया है। सलवाह पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के विरुद्ध मर्ग कायम कर गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आसपास के गांवों के स्वास्थ्य केंद्रों और आंगनबाड़ियों से हाल ही में हुए प्रसव की जानकारी जुटा रही है, ताकि नवजात की पहचान और उसके माता-पिता का सुराग लग सके। इस अमानवीय घटना के बाद से ही क्षेत्र में दुख और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और सच्चाई सामने लाकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

सलवाह में जल संकट होगा दूर, पीएचई विभाग ने शुरू किया पाइपलाइन जोड़ने का कार्य

रोड निर्माण कंपनी की लापरवाही से गहराया था संकट, बूंद-बूंद पानी को मोहताज हो गए थे ग्रामीण, अब युद्धस्तर पर सुधार कार्य

घुघरी, नवभारत। विकासखंड घुघरी की ग्राम पंचायत सलवाह में पिछले लंबे समय से व्याप्त पेयजल संकट को दूर करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने कमान संभाल ली है। पूर्व में सड़क निर्माण के दौरान निर्माण कंपनी की घोर लापरवाही से गांव की मुख्य पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके कारण ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था।

बताया जाता है कि अब विभाग इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए एक्शन मोड में नजर आ रहा है।

फरवरी में हुआ था नया बोर, अब अंतिम चरण में काम

पेयजल आपूर्ति को बहाल करने के लिए विभाग द्वारा की जा रही तैयारियों को लेकर पीएचई अधिकारी मनोज भास्कर ने बताया कि गाँव में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी तकनीकी संसाधन जुटा लिए गए हैं। इसी वर्ष फरवरी माह में बोरिंग मशीन द्वारा नया बोर किया गया था, जिसमें मोटर डालने का कार्य पूर्ण हो चुका है। ग्रामीणों को पर्याप्त पानी देने के लिए पानी की टंकी का निर्माण पहले ही पूरा किया जा चुका है। क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को दुरुस्त करने के लिए ग्राम पंचायत और पीएचई की टेक्निकल टीम संयुक्त रूप से फील्ड पर काम कर रही है।

ग्रामीणों को राहत की उम्मीद

भीषण गर्मी और जल संकट के बीच विभाग की इस तत्परता से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। पाइपलाइन जुड़ते ही बंद पड़ी नल-जल योजना बहाल हो जाएगी। ग्रामीणों को उम्मीद है कि आगामी कुछ ही दिनों में उनकी लंबे समय से चली आ रही पानी की किल्लत पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

इनका कहना है

ग्राम पंचायत और हमारी टीम द्वारा पाइपलाइन जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जल्द ही कार्य पूरा कर नल-जल योजना को पुन: संचालित कर दिया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को घर-घर पानी मिल सकेगा।

मनोज भास्कर
पीएचई विभाग

बोर्ड पैटर्न पर परखा गया आशा कार्यकर्ताओं का ज्ञान

एनआईओएस के माध्यम से तीन चरणों में हो रहा प्रमाणीकरण, सफल होने पर मिलगा सर्टिफाइड आशा का दर्जा

मंडला। आदिवासी बाहुल्य मंडला जिले के ग्रामीण और शहरी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी कमान संभालने वाली आशा कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों के कौशल को निखारने स्वास्थ्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान दिल्ली के माध्यम से जिले की चयनित आशा कार्यकर्ताओं के ज्ञान और कार्यक्षमता को परखने के लिए तीन चरणों वाली प्रमाणन परीक्षा आयोजित की जा रही है।

जानकारी अनुसार जिले में कार्यरत करीब 1271 आशाओं में से चयन प्रक्रिया के आधार पर 152 आशाओं को इस विशिष्ट परीक्षा के लिए नामांकित किया गया था। उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य कल्पना नामदेव की निगरानी में आयोजित इस परीक्षा में 149 आशा कार्यकर्ता और पर्यवेक्षक शामिल हुए, जबकि 3 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को पूरी तरह से बोर्ड पैटर्न पर संचालित किया गया। परीक्षा केंद्र में मोबाइल और अन्य सामग्री पर पूर्ण प्रतिबंध रही और परीक्षार्थियों ने निर्धारित रोल नंबर के अनुसार बैठकर डेढ़ घंटे की लिखित परीक्षा दी।

आठ ब्लाक और एक अर्बन से शामिल हुई आशा-इस परीक्षा में जिले के आठ विकासखंडों और एक शहरी क्षेत्र की आशाओं ने भाग लिया। लिखित परीक्षा में मंडला के बम्हनी से 21, मोहगांव से 12, नारायणगंज से 20, बिछिया से 8, नैनपुर से 22, बीजाडांडी से 19, निवास से 13, घुघरी से 14 और मंडला अर्बन से 20 समेत चयनित 149 आशा वर्कर और पर्यवेक्षकों ने दूसरे चरण में लिखित परीक्षा दी। इस परीक्षा में पास होने के बाद प्रायोगिक परीक्षा ली जाएगी, जिसके बाद आशा प्रमाणित हो जाएगी।

पुरानी यादें हुई ताजा, स्कूल के दिन याद आए-वर्षों बाद हाथ में पेन और पेपर लेकर परीक्षा केंद्र पहुंची आशा कार्यकर्ताओं के लिए यह अनुभव भावुक करने वाला रहा। कई कार्यकर्ताओं ने साझा किया कि बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा देने और रोल नंबर तलाशने की इस प्रक्रिया ने उन्हें उनके स्कूल के दिनों की याद दिला दी। आशा कार्यकर्ताओं का कहना था कि इस परीक्षा से न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं की तकनीकी बारीकियों को दोबारा सीखने का अवसर मिला है। बीसीएम राहुल चंद्रौल ने बताया कि यह परीक्षा कुल तीन चरणों में विभाजित की गई। जिसमें प्रथम चरण में ऑनलाइन माध्यम से आंतरिक मूल्यांकन किया जाता है। द्वितीय चरण में निर्धारित केंद्र पर बोर्ड पैटर्न पर आधारित लिखित परीक्षा ली जाती है। तृतीय चरण में फील्ड वर्क और कौशल पर आधारित प्रायोगिक परीक्षा ली जाती है।

बढ़ेगी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता- डीसीएम हिमांशु सिंगौर ने बताया कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ की हड्डी हैं। आशा कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर शिशु स्वास्थ्य से लेकर बुजुर्गों की देखभाल तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस परीक्षा का उद्देश्य केवल अंक देना नहीं, बल्कि उनके चिकित्सा ज्ञान को अपडेट करना और आत्मविश्वास बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागी काफी उत्साहित हैं और परिणाम आने के बाद उनकी काबिलियत को एक नई पहचान मिलेगी।

अंतिम बाधा प्रायोगिक परीक्षा - ब्लॉक कम्युनिटी मॉनिटर राहुल चंद्रौल ने आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि लिखित परीक्षा के बाद अब अंतिम बाधा प्रायोगिक परीक्षा है। यह प्रायोगिक परीक्षा आगामी 25 से 27 मई के बीच आयोजित की जाएगी। तीनों चरण आंतरिक, लिखित और प्रायोगिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाली आशा कार्यकर्ताओं को सर्टिफाइड घोषित किया जाएगा, जिससे उनकी व्यावसायिक क्षमता को नई पहचान मिलेगी।

सम्मान

समस्याओं के निराकरण पर बनी सहमति, अतिथि शिक्षकों की बैठक में गूंजा शिक्षा की गुणवत्ता का मुद्दा

उत्कृष्ट परिणाम देने वाले अतिथि शिक्षक सम्मानित

नारायणगंज। विकासखंड नारायणगंज के अतिथि शिक्षकों की समीक्षा एवं सम्मान बैठक जनपद पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित की गई। स्थाई शिक्षा समिति के अध्यक्ष अविनाश शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में अतिथि शिक्षकों की उपलब्धियों को सराहा गया और उनकी लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक का मुख्य आकर्षण बोर्ड परीक्षा परिणाम रहा। कक्षा 10वीं और 12वीं में शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले अतिथि शिक्षकों को मुख्य अतिथि अविनाश शर्मा द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर सुधारने में अतिथि शिक्षकों का समर्पण अनुकरणीय है और विभाग उनके योगदान की कद्र करता है।

इन प्रमुख बिंदुओं पर हुई चर्चा

बैठक में केवल सम्मान ही नहीं, बल्कि आगामी सत्र की चुनौतियों पर भी मंथन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से आगामी शैक्षणिक सत्र में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया। पोर्टल पर पंजीयन और जानकारी अपडेट करने संबंधी समस्याएं। मानदेय के समय पर भुगतान और रुकी हुई राशि का निराकरण। नियुक्ति संबंधी अन्य विभागीय जटिलताएं समेत अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

अधिकारियों ने दिया आश्वासन

बीईओ कार्यालय के प्रतिनिधि विशाल सिंह वरकड़े और प्रफुल्ल डोंगरे ने अतिथि शिक्षकों के सुझावों को गंभीरता से सुना। श्री वरकड़े ने आश्वासन दिया कि पोर्टल संबंधी तकनीकी दिक्कतों और मानदेय की समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाएगा जिससे शिक्षक पूर्ण मनोयोग से अध्यापन कार्य कर सकें। कार्यक्रम में अतिथि शिक्षक संघ के अध्यक्ष जितेन्द्र तुली सहित विकासखंड की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं से बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने अपनी जमीनी समस्याओं को समिति के समक्ष रखा, जिस पर सभापति ने सकारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।